अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व विज्ञ (वर्ष : 2024) दिनांक : 27.08.2024

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

जैन सिद्धान्त दीपिका–30

प्र. 1 कोई पांच संस्कृत सूत्रों के हिन्दी अर्थ लिखें– 10

(क) अबन्धोऽयोगी।

(ख) शेषाः सोपक्रमायुणोऽपि।

(ग) विवक्षाभेदादसौ अनेकविकल्पः।

(घ) मोहमिश्रितत्वान्नात्मसाधनी।

(ड़) तद्विरतिः संयमः।

(च) विवक्षितक्रिया परिणतो भावः।

प्र. 2 कोई पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 10

(क) सास्वादन सम्यक् दृष्टि किसे कहते हैं?

(ख) शरीर की परिभाषा व प्रकार लिखें।

(ग) धर्म के दस प्रकारों के नाम लिखें।

(घ) दया के क्या-क्या उपाय हैं?

(ड़) प्रमाण को स्पष्ट करें।

(च) भाव निक्षेप के प्रकार लिखते हुए बतायें कि यह कौन से नय का विषय है?

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 10

(क) सम्यग् दृष्टि आदि जीवों के निर्जरा का क्रम लिखें।

(ख) सिद्ध करें कि मोह में स्व या पर का प्रतिबन्ध नहीं होता, उसकी प्रवृत्ति उसकी अपनी सामग्री के अनुकूल होती है।

(ग) गुणस्थान की परिभाषा लिखते हुए उनके नाम लिखें।

गमा को थोकड़ा–70

प्र. 4 कोई छः प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए– 6

(क) मनुष्य में अपकाय की उत्पत्ति में 1, 2, 5 गमक का परिमाण असंख्यात किस अपेक्षा से है?

(ख) मनुष्य में पृथ्वीकाय की उत्पत्ति के छठे गमक का अध्यवसाय शुभ होते हुए भी लेश्या तीन अशुभ क्यों है?

(ग) मनुष्य में संख्यात वर्ष के संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की उत्पत्ति के तीसरे गमक में 'औधिक-उत्कृष्ट' का कथन स्वतंत्र रूप से क्यों किया गया है?

(घ) कितने से कितने देवलोक तक उत्कृष्ट भव 6 होते हैं?

(ड़) नौ ग्रैवेयक में कितने संहनन वाले जा सकते हैं?

(च) यंत्र 145 में दो गमक टूटते हैं कौन से और क्यों?

(छ) प्रथम दो देवलोक में कितने स्थानों से उत्पत्ति होती है?

प्र. 5 कोई पांच प्रश्नों के उत्तर दें– 10

(क) मनुष्य में प्रथम नरक के नैरयिक की उत्पत्ति यंत्र की दोनों उत्कृष्ट अवगाहना अन्तर सहित लिखें।

(ख) मनुष्य में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति के नाणता को स्पष्ट करें।

(ग) किस-किस देवलोक के देवताओं की लेश्या शुक्ल होती है?

(घ) सर्वार्थ सिद्ध में संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति में उपपात द्वार कितना और किस अपेक्षा से है?

(ड़) ज्योतिष्क में तिर्यंच यौगलिक की उत्पत्ति में चौथे गमक की अवगाहना कितनी और क्यों?

(च) मनुष्य में चार अनुत्तर विमान से उत्पत्ति में समुद्घात कितने और किस अपेक्षा से?

प्र. 6 कोई नौ प्रश्नों के उत्तर लिखें– 54

(क) मनुष्य में पांचवीं नरक के नैरयिक की उत्पत्ति के यंत्र में अवगाहना द्वार से लेकर दृष्टि द्वार तक लिखें।

(ख) मनुष्य में पृथ्वीकाय की उत्पत्ति यंत्र का उपपात द्वार, अनुबंध द्वार और नाणता लिखें।

(ग) मनुष्य में त्रीन्द्रिय की उत्पत्ति के यंत्र का परिमाण द्वार, ज्ञान-अज्ञान द्वार, योग द्वार और आयु द्वार लिखें।

(घ) मनुष्य में नौ निकाय की उत्पत्ति के यंत्र में अवगाहना से लेकर ज्ञान-अज्ञान द्वार तक लिखें।

(ड़) मनुष्य में दूसरे ईशान देवलोक से उत्पत्ति के यंत्र में अन्तिम तीन गमक का उपपात द्वार, अवगाहना, अनुबंध द्वार तथा कायसंवेध द्वार लिखें।

(च) यंत्र 138 का दृष्टि द्वार से लेकर वेदना द्वार तक लिखें।

(छ) व्यंतर में तिर्यंच यौगलिक की उत्पत्ति यंत्र का उपपात द्वार, अनुबंध द्वार, नाणता तथा भव लिखें।

(ज) दूसरे देवलोक में तिर्यंच यौगलिक की उत्पत्ति के यंत्र के प्रथम तीन गमक का उपपात, आयु द्वार, नाणता व काय-संवेध द्वार लिखें।

(झ) पहले दूसरे देवलोक में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति का काय-संवेध द्वार लिखें।

(ञ) यंत्र 156 के अन्तिम 6 गमक का उपपात द्वार लिखें।

(ट) तीसरे से बारहवें देवलोक में संख्यात वर्ष के संज्ञी मनुष्य की उत्पत्ति के यंत्र के 4, 5, 6 गमक का काय-संवेध द्वार लिखें।